



राजनीतिक माहौल में मीडिया का प्रभाव

अ मत कुमार

अ सस्टेंट प्रोफेसर राजनीति शास्त्र

गुलाब सिंह हिंदू स्नातकोत्तर महा वद्यालय

चांदपुर-स्याऊ 2467 25 जिला बिजनौर, उत्तर प्रदेश

सारांश

मीडिया राजनीतिक माहौल में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, क्योंकि यह जनमानस को सूचित करने, विचारों को प्रस्तुत करने और समाज में जागरूकता पैदा करने का माध्यम होता है। मीडिया के माध्यम से व्यक्तियों को सरकारी नीतियों, देशी-विदेशी मामलों, राजनीतिक घटनाओं आदि की जानकारी प्राप्त होती है। मीडिया का प्रभाव दो प्रकार का होता है - पहला, सामान्य जनमानस पर उसकी जानकारी का प्रभाव और दूसरा, उसके विचारों और धाराओं पर प्रभाव। मीडिया का यह प्रभाव प्राथमिकताओं, मनोबल, और सामाजिक मुद्दों पर सीधा प्रभाव डाल सकता है, जिससे राजनीतिक माहौल में बदलाव आ सकता है। मीडिया की स्वतंत्रता और निष्पक्षता राजनीतिक माहौल में महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह जनमानस को सही और पूरी जानकारी प्रदान करता है, जिससे वे समझ सकते हैं कि कौनसी नीतियां और नेता उनके हित में हैं। मीडिया की दायित्वपूर्णता यहाँ बहुत महत्वपूर्ण है कि वह सत्यता, संवेदनशीलता, और सामाजिक न्याय के मानकों का पालन करे। हालांकि, मीडिया का अधिक प्रभाव भी खतरे के साथ आता है। अगर मीडिया अपने उद्देश्यों के लिए बिना सत्यता की पारदर्शिता करे या किसी विशिष्ट दल के पक्ष में खबरें प्रस्तुत करे, तो यह जनमानस के मानसिकता पर नकारात्मक प्रभाव डाल सकता है और राजनीतिक माहौल को अधिक विभाजित कर सकता है।

परिचय

राजनीतिक माहौल में मीडिया का प्रभाव प्रमुख और महत्वपूर्ण होता है, क्योंकि यह समाज को राजनीतिक घटनाओं, सरकारी नीतियों, राजनीतिक दलों के प्रति विचारों और उनके प्रति नेताओं की क्रियावलियों की जानकारी प्रदान करता है। मीडिया का प्रभाव विभिन्न रूपों में होता है जैसे कि खबरों, विचार-लेखों, टीवी प्रोग्रामों, रेडियो शोज और सोशल मीडिया के माध्यम से।

मीडिया का प्रभाव पहले से ही राजनीतिक दिशानिर्देश को प्रभावित करता रहा है। इसके माध्यम से लोग सरकारी प्रतिष्ठानों के निर्णयों को प्रभावित करने के लिए विभिन्न प्रतिक्रियाएं दे सकते हैं। मीडिया के द्वारा प्रस्तुत की जाने वाली खबरें और विचार-लेख लोगों की जानकारी और समझ में वृद्धि करते हैं



और उन्हें राजनीतिक मामलों के प्रति सजग रहने में मदद करते हैं। मीडिया का प्रभाव न केवल जानकारी प्रदान करने तक सीमित रहता है, बल्कि यह विचारों, धाराओं और मतभेदों की भी स्थापना कर सकता है। विभिन्न मीडिया स्रोतों के माध्यम से नेताओं के भाषण, नीतियों के प्रस्तावनाओं और विशेष घटनाओं की चर्चा होती है, जिससे लोग उनकी राय को समझ सकते हैं और उनके विचारों के प्रति सहमत या असहमत हो सकते हैं। हालांकि, मीडिया का प्रभाव निष्पक्षता और सत्यता की दिशा में रहना महत्वपूर्ण है। अगर मीडिया अपने उद्देश्यों या नैतिकता की बजाय विवादित या भ्रष्टाचारी तरीकों से काम करें, तो यह समाज में असुरक्षा और अविश्वास का माहौल पैदा कर सकता है। समान रूप से, टेक्नोलॉजी के विकास ने सोशल मीडिया को राजनीतिक माहौल में एक महत्वपूर्ण भूमिका दी है, क्योंकि यह आम लोगों को सीधे रूप से राजनीतिक विचारों का संवाद करने की स्वतंत्रता देता है। समागम रूप से, मीडिया राजनीतिक माहौल में एक महत्वपूर्ण खिलाड़ी है जो समाज को जानकारी प्रदान करता है, विचारों को प्रस्तुत करता है और राजनीतिक दिशानिर्देश को प्रभावित करता है।

अध्ययन की आवश्यकता

अध्ययन एक महत्वपूर्ण प्रक्रिया है जो हमारे जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में सफलता पाने के लिए आवश्यक होती है। यह न केवल ज्ञान की विकास करता है, बल्कि सोचने की क्षमता, विचारशीलता, और नई उपलब्धियों की समझ पैदा करता है।

1. **ज्ञान का विकास:** अध्ययन आपकी ज्ञान और सूचना को विकसित करता है। यह आपको नई विचारधाराओं, विशेषज्ञता और दृष्टिकोण में वृद्धि करने का अवसर प्रदान करता है।
2. **स्वयं-साक्षरता:** अध्ययन से हम नए विषयों को समझने में सहायक होते हैं, जिससे हम स्वयं-साक्षर बनते हैं और आत्मनिर्भर होते हैं।
3. **विचारशीलता और समस्या समाधान:** अध्ययन विचारशीलता को प्रोत्साहित करता है और हमें विभिन्न समस्याओं का समाधान ढूँढने में मदद करता है।
4. **करियर के विकास:** अध्ययन आपके करियर के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। चाहे आप किसी भी क्षेत्र में हो, अध्ययन आपके नौकरी में आगे बढ़ने की संभावनाओं को बढ़ाता है।



5. आत्म-संवाद: अध्ययन आपकी आत्म-संवाद की बढ़ती बचत करता है। यह आपको अपने क्षमताओं और कमजोरियों की जानकारी देता है और आपको स्वयं को सुधारने की प्रेरणा देता है।

6. समाज में योगदान: अध्ययन से प्राप्त की गई ज्ञानवर्धन के साथ हम समाज में योगदान कर सकते हैं। ज्ञान का साझा करके हम दूसरों को भी शिक्षित और जागरूक बना सकते हैं।

7. स्वास्थ्य में सुधार: अध्ययन आपके मानसिक स्वास्थ्य को भी सुधारता है। यह आपकी मानसिक तनाव को कम करके आपकी स्वास्थ्य को प्रोत्साहित करता है।

8. नए संभावनाओं का खुलना: अध्ययन से हम नए संभावनाओं का खुलना प्राप्त कर सकते हैं जिन्हें हम पहले नहीं सोच सकते थे।

इन सभी कारणों से, अध्ययन की आवश्यकता हमारे व्यक्तिगत और पेशेवर विकास में महत्वपूर्ण है। यह हमें समृद्धि, सफलता, और समाज में सकारात्मक परिवर्तन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम आगे बढ़ने में मदद करता है।

साहित्य की समीक्षा

प्रायर, एम. (2013)_मीडिया और राजनीतिक ध्रुवीकरण का संबंध एक महत्वपूर्ण और गहरा विषय है, जो राजनीति की प्रक्रिया और समाज की धाराओं को प्रभावित करता है। मीडिया राजनीतिक प्रक्रियाओं के दिशानिर्देशक, आवश्यकताओं के प्रबलक, और जनसमर्थक के रूप में कार्य करता है। यह आम जनता को राजनीतिक घटनाओं की जानकारी प्रदान करके उनके निर्णयों को प्रभावित करने में मदद करता है। राजनीति विज्ञान की वार्षिक समीक्षा में, मीडिया का भूमिका और प्रभाव एक महत्वपूर्ण विषय होता है। यह समीक्षा मीडिया के साथ राजनीतिक संवाद की दिशानिर्देशक भूमिका को जानने और समझने का माध्यम प्रदान करती है। मीडिया के द्वारा चुने गए विषय, उनकी व्यापकता, और उनके प्रस्तुतिकरण के तरीके भी समीक्षा के तत्वों के रूप में आते हैं। इस समीक्षा में, मीडिया के राजनीतिक ध्रुवीकरण पर विचार किए जाते हैं, जैसे कि किस प्रकार से मीडिया विभिन्न राजनीतिक दलों और विचारधाराओं को प्रस्तुत करता है और कैसे यह जनसमर्थकता और विपक्षियता की भावनाओं को प्रभावित करता है।



ओस्टमैन, जे. (2014) पर्यावरणीय जुड़ाव एक महत्वपूर्ण राजनीतिक और सामाजिक चुनौती है, और इसका प्रभाव मीडिया के माध्यम से व्यापक रूप में प्रकट हो रहा है। मीडिया ने पर्यावरणीय मुद्दों को सशक्त जनसमुदाय की दिशा में प्रेरित किया है, जो राजनीतिक समाजीकरण की प्रक्रिया में महत्वपूर्ण है। मीडिया ने पर्यावरणीय मुद्दों को सार्वजनिक चर्चा का हिस्सा बनाया है और इससे समाज की जागरूकता और जनभागीदारी में वृद्धि हुई है। इसके साथ ही, मीडिया ने वैशिष्ट्यकरण और यात्रा के माध्यम से लोगों को प्राकृतिक संसाधनों के महत्व की अवगति दिलाई है, जो उन्हें राजनीतिक निर्णय लेने में सहायक होती है। यह संयमित रूप से दिखाई गई पर्यावरण संरक्षण की भावना और उपायों की खोज में भी मीडिया का महत्वपूर्ण योगदान है।

ग्रीन-पेडर्सन, सी., और स्टुबैगर, आर. (2010) मास मीडिया का राजनीतिक प्रभाव उस समय होता है जब यह विशेष संदर्भों और सामाजिक परिप्रेक्ष्यों में राजनीतिक घटनाओं, विचारधाराओं, और नेतृत्व पर प्रभाव डालता है। इस प्रभाव की शर्त उन तत्वों पर निर्भर करती है जो मीडिया की व्यापारिकता, सामाजिक प्रतिबद्धता, और सार्वजनिक रूप से स्वीकृति में पारंपरिक रूप से मौजूद होते हैं। यह राजनीतिक प्रभाव आमतौर पर विशिष्ट समयानुसार बदलता है और मीडिया के विभिन्न प्लेटफॉर्मों के माध्यम से समर्थित किया जाता है। राजनीतिक जागरूकता, धाराएँ, और नेतृत्व की प्रस्तुति में मीडिया का महत्वपूर्ण योगदान होता है, जो समाज में राजनीतिक विचारधाराओं को आकर्षित करता है और उनको प्रभावित करता है।

स्ट्रोमबैक, जे. (2011) मीडिया का राजनीतिक प्रभाव दिशानिर्देशक, विचारशीलता को प्रोत्साहित करने वाला, और जनसमर्थन व्यक्त करने वाला होता है, लेकिन इसकी मध्यस्थता और धारणाएँ भी महत्वपूर्ण होती हैं। मीडिया की मध्यस्थता राजनीतिक घटनाओं की प्रस्तुति में उचितता और निष्पक्षता की आवश्यकता को पूरा करने में मदद कर सकती है। यह सामाजिक न्याय, न्यायिक प्रक्रिया, और लोकतंत्र के स्थायिता में सहायक होती है। धारणाएँ, जैसे कि समाचार का प्राथमिकता देना और अपनी प्रतिष्ठा को बनाए रखना, भी मीडिया के राजनीतिक प्रभाव को प्रभावित करती हैं। समाज में जनसमर्थन बनाने के लिए धारणाओं की प्रभावशीलता और सहीता भी महत्वपूर्ण होती है जो मीडिया की प्रस्तुति के साथ संबंधित होती हैं।



अध्ययन का औ चत्य

राजनीतिक माहौल में मीडिया का प्रभाव अध्ययन के योग्य एक महत्वपूर्ण विषय है। मीडिया एक माध्यम है जिसके माध्यम से समाज को राजनीतिक घटनाओं, मुद्दों, और नीतियों की जानकारी प्राप्त होती है। यह समाज के सदस्यों को जागरूक करने और उन्हें सकारात्मक बदलाव की दिशा में प्रेरित करने का माध्यम भी होता है। मीडिया के द्वारा चुनावों, सरकारी नीतियों, और राजनीतिक विवादों की विवरणपूर्ण रिपोर्टिंग लोगों को जानकारी प्रदान करती है, जो उनके सही निर्णय लेने में मदद करती है। हालांकि, मीडिया को न्यायिकता, सत्यता, और विशेषता के साथ उपयोग करना महत्वपूर्ण है ताकि यह समाज को वास्तविकता की ओर प्रवृत्त करें और सामाजिक सुधार के प्रेरणास्त्रोत बन सके।

मी डया और राजनीति- एक वैचारिक रूपरेखा

मीडिया और राजनीति का संबंध एक विचारपूर्ण और गहरा विषय है, जिसका प्रभाव समाज पर व्यापक प्रकार से पड़ता है। मीडिया राजनीति की समग्र दुनिया के सामने प्रस्तुतकरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है और व्यक्तिगत विचारों से लेकर जनसामान्य के विचार तक को प्रदर्शित करता है। मीडिया का कार्य राजनीतिक मानवीयता को समझने में मदद करता है, लेकिन वह यह दायित्व भी उठाता है कि वह सटीकता, सामंजस्यता, और नैतिकता के साथ खबरों को प्रस्तुत करे। मीडिया न केवल जनसामान्य को सूचित करता है, बल्कि उसके पास शक्ति होती है राजनीतिक माहौल को आकार देने की और समाज में नए विचारों की उत्पन्नता करने की। विश्वसनीयता और सावधानी से प्रदर्शित की गई खबरें जनमत की उच्चतम सोच और निर्णय लेने में मदद करती हैं। हालांकि, मीडिया का अधिक सामाजिक प्रभाव भी हो सकता है, जैसे कि वह विचारधारा की प्रवृत्ति कर सकता है या दलील को अधिशृंखला कर सकता है। राजनीतिक मीडिया को निष्पक्षता और दृढ़ता के साथ अपना कार्य निष्पादित करना चाहिए ताकि यह समाज को सच्चाई और वास्तविकता की ओर मार्गदर्शन कर सके।

मी डया जनभागीदारी का माध्यम

मीडिया जनभागीदारी का माध्यम बन सकता है जो समाज को राजनीतिक मुद्दों, नीतियों और घटनाओं की जानकारी प्रदान करता है, और उनकी भागीदारी को प्रोत्साहित करने में मदद करता है। यह एक सामाजिक संवाद का माध्यम हो सकता है जो लोगों को सही और समृद्धि-केंद्रित निर्णय लेने में मदद कर सकता है।



मी डया जनभागीदारी का माध्यम इस प्रकार काम कर सकता है:

संवादना की बढ़ोतरी: मीडिया के माध्यम से लोग अपने विचार और सुझाव देने में सक्षम होते हैं, जिससे एक सशक्त और सहभागिता-पूर्ण समाज की नींव बनती है।

साक्षरता की बढ़ोतरी: जनभागीदारी माध्यम के रूप में, मीडिया लोगों को सही जानकारी प्रदान करने में मदद करता है और उन्हें विचारों को समझने और व्यक्त करने की क्षमता प्रदान करता है।

सार्वजनिक मतदान की प्रोत्साहना: मीडिया जनभागीदारी के माध्यम से लोगों को उनके मताधिकार की महत्वपूर्णता समझाता है और उन्हें उनके वोट का सही उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित करता है।

सामाजिक प्रतिबद्धता की बढ़ोतरी: मीडिया के माध्यम से लोग समाज में सुधार की ओर अपनी प्रतिबद्धता बढ़ा सकते हैं, चाहे वो सामाजिक सुधारों की बात हो या पर्यावरणीय मुद्दों की।

सामाजिक संवाद में वृद्धि: मीडिया जनभागीदारी के माध्यम से सामाजिक संवाद में वृद्धि होती है, जिससे लोग अपने समुदाय के मुद्दों को समझते हैं और उन्हें समाधान निकालने में सहायता मिलती है।

मीडिया जनभागीदारी का माध्यम बनकर, लोग सकारात्मक समाज की दिशा में अपनी भागीदारी का भावना पैदा कर सकते हैं और सामाजिक परिवर्तन में योगदान कर सकते हैं।

प्रिंट मीडिया

प्रिंट मीडिया एक महत्वपूर्ण सूचना-प्रसारण का माध्यम है जो समाज को विभिन्न जानकारियों, समाचारों, विचारों, और मनोरंजन की सामग्री प्रदान करता है। यह मीडिया की प्रमुख शैलियों में से एक है और इसमें अखबार, पत्रिकाएँ, मैगजीन, और अन्य मुद्रित स्रोत शामिल हैं।

प्रिंट मीडिया का महत्व निम्न लक्ष्य कारणों से होता है:

वश्वसनीयता: प्रिंट मीडिया को आमतौर पर विश्वसनीय माना जाता है, क्योंकि इसकी सामग्री का आकलन और संपादन धीरे-धीरे किया जा सकता है, जिससे त्रुटिहीन और सटीक खबर प्रकट होती है।



समग्रता: प्रिंट मीडिया विभिन्न वर्गों के लोगों तक अपनी सामग्री पहुँचा सकता है, जैसे कि साप्ताहिक पत्रिकाएँ विशेष रुचि वाले विषयों पर आर्टिकल प्रकाशित करती हैं।

दृश्यप्रदर्शन: प्रिंट मीडिया के द्वारा प्रस्तुत चित्र और ग्राफिक्स से पाठकों की समझ में सहायता होती है, जिससे विषय स्पष्ट और रुचिकर बनता है।

गहराई: प्रिंट मीडिया अधिक गहराई और विस्तार से विचारों को प्रस्तुत कर सकता है, जिससे वाचकों का गहरा विचार हो सकता है।

स्रोतकों की जाँच: प्रिंट मीडिया की सामग्री को पढ़ने वाले व्यक्तियों को अक्षरशः जाँचने का समय मिलता है जिससे वे स्रोतों की वैधता की जाँच कर सकते हैं।

प्रिंट मीडिया जनमानस की असीम समृद्धि और विचारशीलता को प्रकट करने का माध्यम हो सकता है, लेकिन उसे सटीकता, नैतिकता, और विश्वसनीयता की दिशा में सही तरीके से प्रयोग करना आवश्यक है।

इलेक्ट्रॉनिक मीडिया, रेडियो और टेलीविजन समाचार

इलेक्ट्रॉनिक मीडिया, रेडियो और टेलीविजन समाचार और जानकारी का महत्वपूर्ण स्रोत हैं। ये माध्यम विभिन्न प्रकार की सामग्री, जैसे कि समाचार, मनोरंजन, शिक्षा, और सामाजिक संवाद, को लोगों तक पहुँचाते हैं।

रेडियो:

रेडियो एक शक्तिशाली और सरल माध्यम है जो समाचार, संगीत, और जानकारी को आवाज के रूप में लोगों तक पहुँचाता है। यह विभिन्न वर्गों के लोगों तक समाचार और जानकारी पहुँचाने का एक अच्छा माध्यम है, खासकर वे लोग जिनके पास टेलीविजन या इंटरनेट की सुविधा नहीं होती।



टेली वजन:

टेलीविजन एक गहरा और प्रभावशाली माध्यम है जो विभिन्न प्रकार की वीडियो सामग्री को लोगों के घरों तक पहुँचाता है। यह दर्शकों को विविधता में सामाचार, मनोरंजन, शिक्षा, और सामाजिक विचारों की प्रस्तुति करता है।

इलेक्ट्रॉनिक मीडिया, जैसे कि इंटरनेट और सोशल मीडिया, भी समाचार और जानकारी को लोगों तक पहुँचाने का महत्वपूर्ण साधन है। ये माध्यम तेजी से विकसित हो रहे हैं और लोगों को विचारों को साझा करने और जानकारी प्राप्त करने का नया तरीका प्रदान कर रहे हैं। इस प्रकार, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया, रेडियो, और टेलीविजन मिलकर समाज की जागरूकता बढ़ाने और सही जानकारी प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।

समस्या का ववरण

राजनीतिक माहौल में मीडिया का प्रभाव एक महत्वपूर्ण और विवादित विषय है। मीडिया, जैसे कि न्यूज़पेपर, टीवी, रेडियो, और आजकल ऑनलाइन मीडिया, लोगों तक जानकारी पहुंचाने का माध्यम होता है और यह राजनीति के क्षेत्र में गहरा प्रभाव डाल सकता है।

मी ड्या के प्रभाव के कुछ मुख्य पहलु:

सार्वजनिक मतदान का प्रभाव: मीडिया चुनावों के समय उम्मीदवारों और पार्टियों के प्रति जनमत को प्रभावित कर सकता है। इसके जरिए वे जनमत को अपने आलोचकों के साथ जोड़ सकते हैं या उनकी प्रशंसा कर सकते हैं।

दलीलों की प्रस्तुति: मीडिया दलीलों को सार्वजनिक स्थान पर प्रस्तुत करके सामाजिक मुद्दों पर विचार विमर्श करने में मदद कर सकता है। यह लोगों को उनके अधिकारों और कर्तव्यों के बारे में जागरूक कर सकता है।

व भन्न दृष्टिकोण प्रस्तुत करना: मीडिया विभिन्न दृष्टिकोणों को प्रस्तुत करके लोगों को विचारों की विविधता से अवगत करवा सकता है। यह लोगों को एक ही मुद्दे के विभिन्न पहलुओं को समझने में मदद कर सकता है।



सोशल मीडिया का प्रभाव: सोशल मीडिया ने लोगों को सीधे रूप से राजनीतिक मुद्दों पर अपने विचार प्रकट करने का माध्यम प्रदान किया है। इसके माध्यम से लोग अपने राजनीतिक दृष्टिकोणों को दुनिया के साथ साझा कर सकते हैं।

मीडिया के बादशाही अधिकार: मीडिया के पास विशेष शक्तियाँ होती हैं जो उसे लोगों को जानकारी प्रदान करने में मदद करती हैं, लेकिन यह समय-समय पर दलाली और अव्यवस्थितता का कारण बन सकती है।

विवादों का रंगीनीकरण: मीडिया विवादों को रंगीन बनाकर उन्हें बड़े पैमाने पर प्रस्तुत कर सकता है, जिससे उन्हें अधिक ट्रेक्शन मिल सके।

इन प्रभावों के साथ, मीडिया का उपयोग सामाजिक जागरूकता बढ़ाने, सार्वजनिक मतदान को स्थापित करने, और सामाजिक न्याय की आवश्यकताओं को उजागर करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। हालांकि, यह भी ध्यान देने योग्य है कि मीडिया के प्रभाव को संतुलित और जिम्मेदार तरीके से प्रयोग करना आवश्यक है, ताकि यह सामाजिक और राजनीतिक माहौल को सकारात्मक दिशा में प्रवृत्त कर सके।

निष्कर्ष

राजनीतिक माहौल में मीडिया का प्रभाव गहरा और व्यापक होता है। मीडिया राजनीतिक समय, समाज, और सरकार के साथ एक गहरा संबंध बनाता है और समाज को जानकारी प्रदान करने के साथ-साथ विचारों और धाराओं को भी प्रभावित करता है। मीडिया के माध्यम से लोग सरकारी नीतियों, राजनीतिक घटनाओं, और नेताओं के कामकाज की जानकारी प्राप्त करते हैं। यह उन्हें राजनीतिक मुद्दों के प्रति जागरूक करने में मदद करता है और समाज के विचारधारा को आकर्षित करता है। मीडिया के माध्यम से नीतियों की प्रशंसा और आलोचना दोनों की जा सकती है, जिससे सामाजिक विचार में सुधार हो सकता है। मीडिया द्वारा प्रस्तुत की जाने वाली जानकारी और विचार-लेख लोगों की सोच में परिवर्तन ला सकते हैं। यह उन्हें विभिन्न दृष्टिकोणों से मुद्दों को देखने की क्षमता प्रदान करता है और उन्हें समग्र चित्र बनाने में मदद करता है। हालांकि, मीडिया का प्रभाव भी विवादित हो सकता है। यदि मीडिया नेतृत्व में भ्रष्टाचार, नकली खबरें, या अपूर्ण जानकारी प्रस्तुत करता है, तो यह सामाजिक स्थिति को दिग्भ्रंश में डाल सकता है। निष्कर्ष साक्षरता और सचेतता की आवश्यकता को बताता है, ताकि लोग



सटीक और सत्य जानकारी का सही उपयोग कर सकें और उनके विचारों को सुरक्षित रूप से निर्माण कर सकें। एक सकारात्मक और नैतिक मीडिया ने समाज को सुरक्षित, स्वतंत्र और विकासशील राजनीतिक माहौल की दिशा में कदम बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

संदर्भ

ओस्टमैन, जे. (2014)। पर्यावरणीय जुड़ाव पर मीडिया के उपयोग का प्रभाव: एक राजनीतिक समाजीकरण दृष्टिकोण। पर्यावरण संचार, 8(1), 92-109.

प्रायर, एम. (2013)। मीडिया और राजनीतिक ध्रुवीकरण. राजनीति विज्ञान की वार्षिक समीक्षा, 16, 101-127.

हॉलन, डी.सी., और मैनसनी, पी. (2004)। मीडिया प्रणालियों की तुलना: मीडिया और राजनीति के तीन मॉडल। कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी प्रेस।

हार्डी, जे. (2013)। मीडिया प्रणालियों की तुलना. तुलनात्मक संचार अनुसंधान की पुस्तिका में (पीपी. 185-206)। रूटलेज।

रॉबिन्सन, पी. (2001)। विश्व राजनीति पर मीडिया के प्रभाव का सद्भांत: वदेश नीति पर मीडिया के प्रभाव के मॉडल। यूरोपियन जर्नल ऑफ कम्युनिकेशन, 16(4), 523-544।

शूडसन, एम. (2002)। राजनीतिक संस्थाओं के रूप में समाचार मीडिया। राजनीति विज्ञान की वार्षिक समीक्षा, 5(1), 249-269.

ग्रीन-पेडर्सन, सी., और स्टुबैगर, आर. (2010)। मास मीडिया प्रभाव की राजनीतिक शर्त: पार्टियां मास मीडिया का ध्यान कब आकर्षित करती हैं? ब्रिटिश जर्नल ऑफ पॉलिटिकल साइंस, 40(3), 663-677।



स्ट्रोमबैक, जे. (2011)। मी डया के राजनीतिक प्रभाव की मध्यस्थता और धारणाएँ। पत्रकारिता

अध्ययन, 12(4), 423-439.

स्वानसन, डी.एल. (1992)। राजनीतिक-मी डया कॉम्प्लेक्स। संचार मोनोग्राफ, 59(4), 397-400।

गलाडी, एफ., गेसलर, टी., कुबली, एम., और मुलर, एस. (2022)। सोशल मी डया और

राजनीतिक एजेंडा सेटिंग। राजनीतिक संचार, 39(1), 39-60.